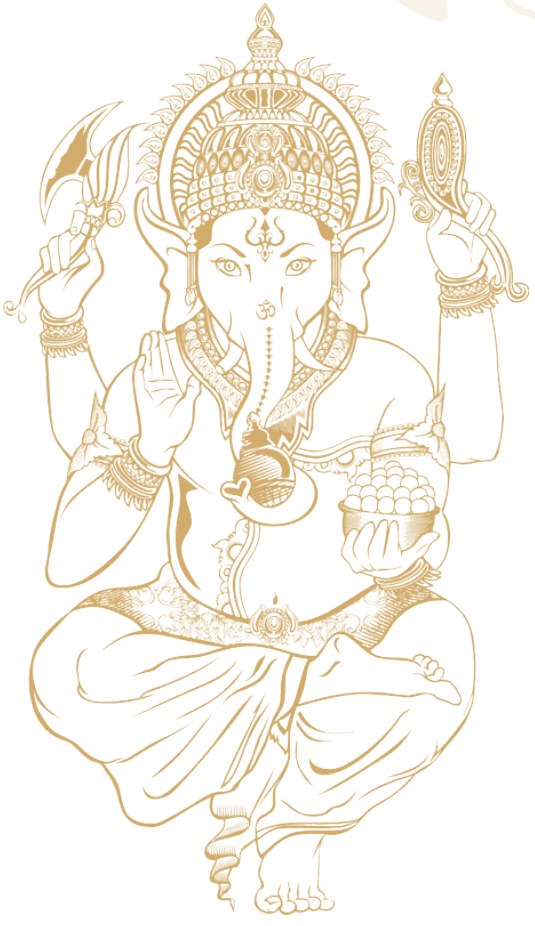

Chirayu Iohia

02 Sep 2004

02:36 PM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121183002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/09/2004**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**14:36:00 घंटे**
इष्ट	20:29:54 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:57:20 घंटे
वेलान्तर	00:00:22 घंटे
साम्पातिक काल	12:44:45 घंटे
सूर्योदय	06:24:02 घंटे
सूर्यास्त	18:52:06 घंटे
दिनमान	12:28:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:18:34 सिंह
लग्न के अंश	08:29:24 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वृद्धि
करण	बव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	08:29:24	333:47:02	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
सूर्य			सिंह	16:18:34	00:58:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	27:56:28	13:00:26	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	20:40:15	00:38:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध	व		सिंह	01:49:06	00:01:26	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	01:11:07	00:12:44	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	01:15:00	01:03:04	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
शनि			मिथु	29:38:21	00:06:09	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	09:25:50	00:01:32	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	09:25:50	00:01:32	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	10:40:19	00:02:23	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	19:21:58	00:01:25	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	25:37:32	00:00:05	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कन्या	18:14:42	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:11

लग्न-चलित

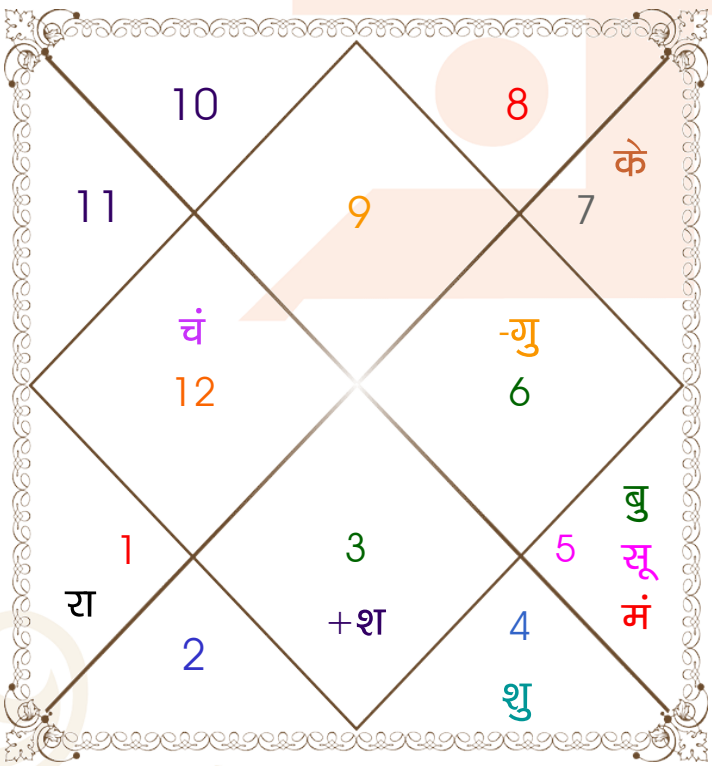

चन्द्र कुंडली

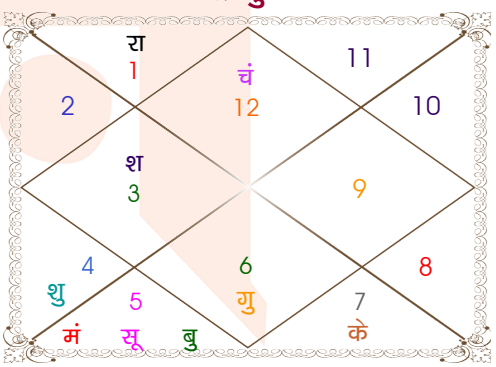

नवमांश कुंडली

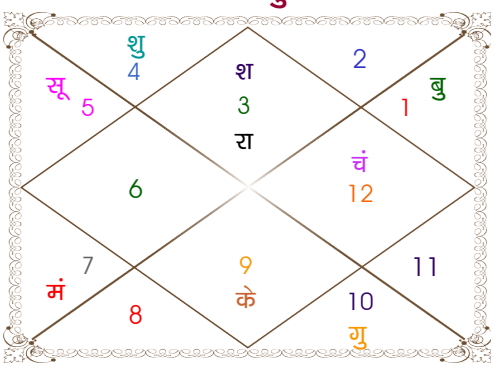

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 7 मास 15 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/09/2004		19/04/2007		19/04/2014		19/04/2034		18/04/2040	
19/04/2007		19/04/2014		19/04/2034		18/04/2040		19/04/2050	
	00/00/0000	केतु	15/09/2007	शुक्र	18/08/2017	सूर्य	06/08/2034	चंद्र	17/02/2041
	00/00/0000	शुक्र	14/11/2008	सूर्य	18/08/2018	चंद्र	05/02/2035	मंगल	18/09/2041
	00/00/0000	सूर्य	22/03/2009	चंद्र	18/04/2020	मंगल	13/06/2035	राहु	19/03/2043
	00/00/0000	चंद्र	21/10/2009	मंगल	18/06/2021	राहु	06/05/2036	गुरु	18/07/2044
	00/00/0000	मंगल	19/03/2010	राहु	18/06/2024	गुरु	23/02/2037	शनि	17/02/2046
	00/00/0000	राहु	07/04/2011	गुरु	17/02/2027	शनि	05/02/2038	बुध	19/07/2047
	00/00/0000	गुरु	13/03/2012	शनि	19/04/2030	बुध	12/12/2038	केतु	17/02/2048
	02/09/2004	शनि	21/04/2013	बुध	17/02/2033	केतु	19/04/2039	शुक्र	18/10/2049
शनि	19/04/2007	बुध	19/04/2014	केतु	19/04/2034	शुक्र	18/04/2040	सूर्य	19/04/2050

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/04/2050		18/04/2057		19/04/2075		19/04/2091		20/04/2110	
18/04/2057		19/04/2075		19/04/2091		20/04/2110		03/09/2124	
मंगल	15/09/2050	राहु	31/12/2059	गुरु	06/06/2077	शनि	22/04/2094	बुध	15/09/2112
राहु	03/10/2051	गुरु	25/05/2062	शनि	18/12/2079	बुध	30/12/2096	केतु	12/09/2113
गुरु	08/09/2052	शनि	31/03/2065	बुध	25/03/2082	केतु	08/02/2098	शुक्र	13/07/2116
शनि	18/10/2053	बुध	19/10/2067	केतु	01/03/2083	शुक्र	10/04/2101	सूर्य	20/05/2117
बुध	15/10/2054	केतु	05/11/2068	शुक्र	30/10/2085	सूर्य	23/03/2102	चंद्र	19/10/2118
केतु	13/03/2055	शुक्र	06/11/2071	सूर्य	18/08/2086	चंद्र	23/10/2103	मंगल	16/10/2119
शुक्र	12/05/2056	सूर्य	29/09/2072	चंद्र	18/12/2087	मंगल	30/11/2104	राहु	05/05/2122
सूर्य	17/09/2056	चंद्र	31/03/2074	मंगल	23/11/2088	राहु	07/10/2107	गुरु	10/08/2124
चंद्र	18/04/2057	मंगल	19/04/2075	राहु	19/04/2091	गुरु	20/04/2110	शनि	03/09/2124

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 7 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मिथुन नवांश एवं धनु राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार आपके जीवन की परियोजना से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप धन-धान्य से पूर्ण, स्वस्थ्य एवं प्रसन्नतम जीवन यापन करने वाले प्राणी है। निःसंदेह एक भाग्यशाली होकर उत्पन्न हुए हैं।

आप हर परिस्थिति में अपने पक्ष एवं अपनी भलाई की आकांक्षा रखते हैं। आपका व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रतिभा संपन्न है। आप एक संवादपटु, दिलचस्प, उच्चस्तरीय, विवेकी प्राणी हैं। आप निर्भिक प्रभावशाली एवं जनसामान्य की दृष्टि में सच्चा व्यक्ति हैं। यदि कोई अन्य व्यक्ति आपको गलत दिशा निर्देश कर आपकों मुश्किल में डालना चाहता है, तो आप भ्रमित नहीं होते क्योंकि आप एक प्रसन्नतम परिवारिक जीवन से युक्त हो।

एक अच्छा व्यक्ति इससे अधिक और क्या अभिलाषा कर सकता है। आप स्वास्थ्य के दृष्टि से पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगे। आपको व्यक्तिगत रूप से यह निर्देश है कि कुछ वर्षो के पश्चात जैसे वायु रोग गठिया, अल्सर, कफ, जुकाम, सर्दी तथा रक्तचाप जैसे रोगों से पूर्ण सत्तर्क रहे।

यदि आप पूर्व में इन रोगों के प्रति यदि सर्त्तकता नहीं बरते तो आपको दुःखी होकर रहना पड़ेगा। आप अपनी अच्छी उन्नति हेतु धर्म एवं दर्शन के प्रति दिलचस्पी लेकर संबंधित अच्छी भावनाओं से युक्त होकर गहन अध्यय कर सकते हैं। क्योंकि जीवन एक दर्शन है तथा आप धार्मिक दान-प्रदान हेतु कुछ धन का सदुपयोग कर सकते हैं।

आप अपनी अवस्था के 27 वें वर्ष में अथवा 31 वें वर्ष में अकस्मात् महान धनी हो सकते हैं। अन्यथा उपरोक्त दोनों समय में से कोई दो वर्ष आपके लिए अत्यधिक लाभजनक समय रहेगा। इस समय आप संगठनात्मक सेमिनार एवं सामूहिक वाद-विवाद का अच्छा संगठनात्मक आयोजन की क्षमता प्राप्त करेंगे। आप स्वभावगत अतिरिक्त योग्यता के अनुसार अपने भाषण के प्रभाव से लोगों को प्रभावित कर बुद्धिमानी में प्रवीणता प्राप्त कर लेंगे। यदि आप इस कार्य में अच्छी प्रकार उभर कर आए तो आपको यह आशा रहेगी कि आप आगे भी अपने कार्य में निश्चित सफलता प्राप्त कर सकते है। क्योंकि इससे मात्र आपका अस्तित्व ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके विषय से संबंधित क्षेत्र भी विस्तृत होगा।

यद्यपि आप एक समझदार पत्नी एवं अच्छी संतान प्राप्त कर सर्व प्रकार से परिवारिक जीवन को मधुरतम एवं आनंददायक अनुभव करेंगे। क्योंकि आप छोटी-छोटी बातों को सोचकर क्रोधित हो जाते हो तथा शीघ्रता पूर्वक आपकी उत्तेजना का अंत हो जाता है। परिणामस्वरूप आप स्वतः अपनी गुस्ताखी का अहसास करते हो। आप इस प्रकार की वाह्य आक्रोश पर नियंत्रण रखे।

आपके व्यवसायों में अनुकूल पेशा, वकालत, लेखक, वक्ता, राजनीति अथवा धार्मिक प्रचारक का कार्य उत्तम प्रमाणित होता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत

उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में महत्वपूर्ण अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक प्रभावशाली है। शेष अंक 2, 7 एवं 9 अंक त्याजनीय हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम रंग, नारंगी, नीला, हरा एवं सूआपंखी रंग शुभता प्रदायक है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग प्रतिकूल है।